

1
साहित्यगत - सरकार इ. नं. 127/03

दिनांक	आज्ञा पत्र
5-12-17	<p>कार-बार कावाज दिवादि गदिन अपीलेंट एवं अपीलेंट के वकील कोई हाजिर नहीं होगा करते अदम हाजरी एवं अदम पैरवी समावेत होने से अपील रवायत की जाती है प्रजावली बाद तत्पश्चात् तकमील दारिकल दफ्तर है।</p> <p>निर्णय सुनाया गया।</p> <p>सत्यमेव जयते</p>

Web Copy - Not Official